



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3875]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 1, 2018/आश्विन 9, 1940

No. 3875]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 1, 2018/ASVINA 9, 1940

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 2018

आय-कर

का. आ. 5054(अ).—केंद्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें इसके पश्चात् आय-कर अधिनियम कहा गया है, की धारा 112क की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे अर्जन की प्रकृति को विनिर्दिष्ट करने की दृष्टि से, जिसके संबंध में आय-कर अधिनियम की धारा 112क की उपधारा (1) के खंड (iii) के उपखंड (क) के उपबंध लागू नहीं होंगे,—

(I) 1 अक्टूबर, 2004 के पूर्व; या

(II) 1 अक्टूबर, 2004 को या उसके पश्चात् किए जाने वाले ऐसे साधारण शेयरों के अर्जन के संव्यवहारों को अधिसूचित करती है, जो निम्नलिखित के सिवाय, वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 (2004 का 23) के अध्याय 7 के अधीन प्रतिभूति संव्यवहार कर से प्रभार्य नहीं हैं अर्थात:—

(क) जहां किसी कंपनी में विद्यमान सूचीबद्ध ऐसे साधारण शेयर का अर्जन, जिसके ऐसे साधारण शेयरों का भारत में मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में बारंबार व्यापार नहीं किया जाता है, अधिमानी निर्गम के माध्यम से किया जाता है;

परंतु इस खंड में अंतर्विष्ट कोई बात किसी कंपनी में सूचीबद्ध ऐसे साधारण शेयरों के अर्जन को लागू नहीं होगी:—

(i) जो इस निमित्त उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित है;

- (ii) भारत सरकार द्वारा जारी विदेशी प्रत्यक्ष विनिधान मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किसी अनिवासी द्वारा;
- (iii) आय-कर अधिनियम की धारा 115पख के स्पष्टीकरण 1 के खंड (क) में निर्दिष्ट विनिधान निधि या आय-कर अधिनियम की धारा 10 के खंड (23 चख) में निर्दिष्ट जोखिम पूंजी निधि या अर्हित संस्थागत क्रेता द्वारा; और
- (iv) अधिमानी निर्गम के माध्यम से जिसको भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2009 के अध्याय 7 के उपबंध लागू नहीं होते हैं।

(ख) जहां भारत में मान्यता प्राप्त किसी स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से किसी कंपनी में विद्यमान सूचीबद्ध साधारण शेयर के अर्जन के लिए संव्यवहार नहीं किया जाता है:

परंतु इस खंड में अंतर्विष्ट कोई बात किसी ऐसी कंपनी में सूचीबद्ध साधारण शेयरों के अर्जन को लागू नहीं होगी, जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) के उपबंधों के अनुसार किया गया है, और जो, —

- (i) खंड (क) में निर्दिष्ट निर्गम से भिन्न किसी कंपनी द्वारा शेयर के निर्गम के माध्यम से हैं;
- (ii) अपने कारबार के मामूली अनुक्रम के दौरान अनुसूचित बैंकों, पुनर्गठन या प्रतिभूतिकरण कंपनियों या लोक वित्तीय संस्थाओं द्वारा हैं;
- (iii) जो इस निमित्त उच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित है;
- (iv) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम और कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम) मार्गदर्शक सिद्धांत, 1999 के अधीन विरचित कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम और कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन है;
- (v) भारत सरकार द्वारा जारी विदेशी प्रत्यक्ष विनिधान मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किसी अनिवासी द्वारा हैं;
- (vi) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के अनुसार हैं;
- (vii) सरकार से हैं;
- (viii) आय-कर अधिनियम की धारा 115 पख के स्पष्टीकरण 1 के खंड (क) में निर्दिष्ट विनिधान निधि द्वारा या आय-कर अधिनियम की धारा 10 के खंड (23 चख) में निर्दिष्ट जोखिम पूंजी निधि द्वारा या अर्हित संस्थागत क्रेता द्वारा हैं; और
- (ix) आय-कर अधिनियम की धारा 47 या धारा 50ख या धारा 45 की उपधारा (3) या धारा 45 की उपधारा (4) में निर्दिष्ट अंतरण के ढंग द्वारा किए गए हैं यदि, यथास्थिति, ऐसे शेयरों के पूर्व स्वामी या अंतरक ने उन्हें (खंड (क) या खंड (ख) के परंतुक में निर्दिष्ट संव्यवहारों से भिन्न) खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) में निर्दिष्ट किसी ढंग द्वारा अर्जित नहीं किया है।

(ग) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के साथ पठित प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और उनके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार उस तारीख से आरंभ होने वाली, जिसको कंपनी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज से असूचीबद्ध होती है तथा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के पुनः सूचीबद्ध होने वाली तारीख से ठीक पूर्व की तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान किसी कंपनी के साधारण शेयर का अर्जन।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- (क) "बारंबार व्यापार किए गए शेयर" से किसी कंपनी के ऐसे शेयर अभिप्रेत हैं, जिसमें उस कलेंडर मास जिसमें अर्जन और अंतरण किया जाता है से पूर्ववर्ती बारह कलेंडर मासों के दौरान कंपनी के ऐसे वर्ग के कुल शेयरों की संख्या का कम से कम दस प्रतिशत है;

परंतु जहां कंपनी के शेयरों के विशिष्ट वर्ग की शेयर पूंजी ऐसी संपूर्ण अवधि में समान नहीं है, वहां कंपनी के ऐसे वर्ग के कुल शेयरों की भारित औसत संख्या, शेयरों की कुल संख्या को प्रदर्शित करेगी।

- (ख) "सूचीबद्ध" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार भारत में किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध अभिप्रेत है;
- (ग) "अधिमानी निर्गम" और "अर्हित संस्थागत क्रेता" के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2009 के विनियम 2 के उपविनियम (1) में उनके हैं।

- (घ) "लोक वित्तीय संस्था" और "अनुसूचित बैंक" के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः आय-कर अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (1) के खंड (vi) के स्पष्टीकरण में उनके हैं;
- (ङ) "मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज" का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 2 के खंड (च) में उसका है और
- (च) "पुनर्गठन कंपनी" और "प्रतिभूतिकरण कंपनी" के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) की धारा 2 की उपधारा (1) में उनका है।

2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 2019 से प्रवृत्त होगी और तदनुसार निर्धारण वर्ष 2019-2020 तथा पश्चात्तवर्ती निर्धारण वर्षों के संबंध में लागू होगी।

[अधिसूचना सं. 60/2018/फा. सं. 370142/9/2017-टीपीएल]

प्रवीण रावल, निदेशक (टीपीएल-II)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st October, 2018

INCOME-TAX

S.O. 5054(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 112A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Income-tax Act, the Central Government, with a view to specify the nature of acquisition in respect of which the provision of sub-clause (a) of clause (iii) of sub-section (1) of section 112A of the Income-tax Act shall not apply, hereby notifies the transactions of acquisition of equity share entered into—

- (I) before the 1st day of October, 2004; or
- (II) on or after the 1st day of October, 2004 which are not chargeable to securities transaction tax under Chapter VII of the Finance (No. 2) Act, 2004 (23 of 2004), other than the following, namely:—

(a) where acquisition of existing listed equity share in a company whose equity shares are not frequently traded in a recognised stock exchange of India is made through a preferential issue:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to acquisition of listed equity shares in a company;—

- (i) which has been approved by the Supreme Court, High Court, National Company Law Tribunal, Securities and Exchange Board of India or Reserve Bank of India in this behalf;
- (ii) by any non-resident in accordance with foreign direct investment guidelines issued by the Government of India;
- (iii) by an investment fund referred to in clause (a) of Explanation 1 to section 115UB of the Income-tax Act or a venture capital fund referred to in clause (23FB) of section 10 of the Income-tax Act or a Qualified Institutional Buyer; and
- (iv) through preferential issue to which the provisions of chapter VII of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 does not apply.

(b) where transaction for acquisition of existing listed equity share in a company is not entered through a recognised stock exchange in India:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to the acquisition of listed equity shares in a company which has been made in accordance with the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), and is—

- (i) through an issue of share by a company other than the issue referred to in clause (a);
- (ii) by scheduled banks, reconstruction or securitisation companies or public financial institutions during their ordinary course of business;

- (iii) approved by the Supreme Court, High Courts, National Company Law Tribunal, Securities and Exchange Board of India or Reserve Bank of India in this behalf;
- (iv) under employee stock option scheme or employee stock purchase scheme framed under the Securities and Exchange Board of India (Employee Stock Option Scheme and Employee Stock Purchase Scheme) Guidelines, 1999;
- (v) by any non-resident in accordance with foreign direct investment guidelines of the Government of India;
- (vi) in accordance with Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulation, 2011;
- (vii) from the Government;
- (viii) by an investment fund referred to in clause (a) to Explanation 1 to section 115UB of the Income-tax Act or a venture capital fund referred to in clause (23FB) of section 10 of the income-tax Act or a Qualified Institutional Buyer; and
- (ix) by mode of transfer referred to in section 47 or section 50B or sub-section (3) of section 45 or sub-section (4) of section 45 of the Income-tax Act, if the previous owner or the transferor, as the case may be, of such shares has not acquired them by any mode referred to in clause (a) or clause (b) or clause (c) [other than the transactions referred to in the proviso to clause (a) or clause (b)].

(c) acquisition of equity share of a company during the period beginning from the date on which the company is delisted from a recognised stock exchange and ending on the date immediately preceding the date on which the company is again listed on a recognised stock exchange in accordance with the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 read with Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) and the rules made thereunder;

Explanation.— For the purposes of this notification,—

- (a) “frequently traded shares” means shares of a company, in which the traded turnover on a recognised stock exchange during the twelve calendar months preceding the calendar month in which the acquisition and transfer is made, is at least ten per cent. of the total number of shares of such class of the company:

Provided that where the share capital of a particular class of shares of the company is not identical throughout such period, the weighted average number of total shares of such class of the company shall represent the total number of shares;
- (b) ‘listed’ means listed in a recognised stock exchange in India in accordance with the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and the rules made thereunder;
- (c) “preferential issue” and “Qualified Institutional Buyer” shall have the meanings respectively assigned to them in sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009;
- (d) “public financial institution” and “scheduled bank” shall have the meanings respectively assigned to them in *Explanation* to clause (viia) of sub-section (1) of section 36 of Income-tax Act;
- (e) “recognised stock exchange” shall have the same meaning assigned to it in clause (f) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956; and
- (f) “reconstruction company” and “securitisation company” shall have the meanings respectively assigned to them in sub-section (1) of section 2 of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (54 of 2002).

2. This notification shall come into force with effect from the 1st day of April, 2019 and shall accordingly apply in relation to the assessment year 2019-20 and subsequent assessment years.

[Notification No. 60/2018/F. No.370142/9/2017-TPL]

PRAVIN RAWAL, Director (TPL-II)